

## विजया एकादशी कथा in Hindi

त्रेता युग में भगवान राम का वनवास और सीता का हरण:

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम को जब चौदह वर्ष का वनवास मिला, तब वे सीता और लक्ष्मण के साथ पंचवटी में गए। रावण द्वारा सीता का हरण कर लिया गया। राम और लक्ष्मण सीता की खोज में निकल पड़े। जटायु से सीता के बारे में जानकर, वे आगे बढ़े।

सुग्रीव से मित्रता और रावण से युद्ध:

कुछ आगे चलकर, राम की मित्रता सुग्रीव से हुई और उन्होंने बाली का वध किया। हनुमान जी लंका गए और सीता का पता लगाकर राम और सुग्रीव की मित्रता का वर्णन किया। राम ने वानर सेना के साथ लंका पर प्रस्थान किया।

समुद्र पार करने में बाधा और वकदालभ्य ऋषि से मिलना:

समुद्र तट पर पहुंचकर, विशाल समुद्र को देखकर राम ने लक्ष्मण से पूछा कि इसे कैसे पार किया जाए। लक्ष्मण जी ने राम को कुमारी द्वीप में रहने वाले वकदालभ्य ऋषि से मिलने का सुझाव दिया।

वकदालभ्य ऋषि से विजया एकादशी व्रत का उपदेश:

राम ऋषि के पास गए और उनसे लंका पार करने का उपाय पूछा। ऋषि ने उन्हें फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी, विजया एकादशी का व्रत रखने का उपदेश दिया। उन्होंने कहा कि इस व्रत से विजय प्राप्त होगी और समुद्र भी पार हो जाएगा।

विजया एकादशी व्रत का प्रभाव:

राम ने वकदालभ्य ऋषि के कहे अनुसार विजया एकादशी का व्रत रखा। व्रत के प्रभाव से उन्हें रावण पर विजय प्राप्त हुई।

व्रत का महत्व:

वकदालभ्य ऋषि ने बताया कि विजया एकादशी का व्रत करने वाले को दोनों लोकों में विजय प्राप्त होती है। जो इस व्रत के महात्म्य को पढ़ता या सुनता है, उसे वाजपेय यज्ञ का फल प्राप्त होता है।

कथा का सार:

विजया एकादशी का व्रत भगवान राम द्वारा रावण पर विजय प्राप्त करने के लिए रखा गया था। यह व्रत विजय और सफलता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

## **Vijaya Ekadashi Vrat Katha in English**

### **Lord Rama's Exile and Sita's Abduction in the Treta Yuga**

In the Treta Yuga, when Lord Rama, the embodiment of virtue and righteousness, was given a fourteen-year exile, he went to Panchavati with Sita and Lakshmana. During this time, Ravana abducted Sita. Rama and Lakshmana set out in search of Sita. After learning about her whereabouts from the bird Jatayu, they continued on their journey.

### **Friendship with Sugriva and War with Ravana**

As they traveled further, Rama befriended Sugriva and helped him by defeating Bali. Hanuman was sent to Lanka, where he located Sita and assured her of Rama and Sugriva's support. Following this, Lord Rama, along with Sugriva and his monkey army, set out to conquer Lanka.

### **The Obstacle of the Ocean and Meeting Sage Bakadalbhya**

Upon reaching the seashore, Rama was confronted with the vast ocean, which posed a major obstacle. He asked Lakshmana how they might cross it. Lakshmana advised Rama to seek guidance from Sage Bakadalbhya, who resided on Kumari Island.

### **Sage Bakadalbhya's Instruction on the Vijaya Ekadashi Vrat**

Rama approached the sage and asked for a solution to cross the ocean. The sage instructed him to observe a fast on Vijaya Ekadashi, which falls during the Krishna Paksha (waning phase) of

the month of Phalguna. He assured Rama that observing this fast would grant him victory and allow him to cross the ocean.

### **The Power of Vijaya Ekadashi Vrat**

Following Sage Bakadalbhya's instructions, Rama observed the Vijaya Ekadashi fast. As a result of this fast, he was able to achieve victory over Ravana.

### **Significance of the Fast**

Sage Bakadalbhya explained that those who observe the Vijaya Ekadashi fast gain victory in both this world and the afterlife. Additionally, those who read or listen to the glory of this vrat receive the same benefits as performing a Vajapeya Yajna, a highly meritorious Vedic ritual.

### **Summary of the Story**

The Vijaya Ekadashi fast was observed by Lord Rama to secure victory over Ravana. This fast is considered significant for those seeking success and triumph in their endeavors.